

# तकदीर पर धिमान लाने का मतलब क्या है?



संपादक- मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

■ राहे अमल हिन्दी से लिप्यान्तरण किया हे.

## बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

तकदीर पर धिमान लाने का मतलब हे कि दुनिया मे जो कुछ भी हो रहा है, अल्लाह के हुक्म से हो रहा है यहा सिर्फ उसी का हुक्म चलता है, ऐसा नहीं है कि वह तो कुछ और चाहता हो और दुनिया का कारभाना किसी और ढब पर चल रहा हो, हर भलाई और बुराई हिदायत व गुमराही का अेक कानून है जिस को उसने पहले से बना दिया है. अल्लाह का शुक्र अदा करने वाले बन्दो पर जो मुसीबतें आती है जिन कठनायो का सामना करना पडता है और जो आजमाईशे उनपर आती है, ये सब हालात और उनके रब के हुक्म और पहले से तैय किये हुये कानून के मुताबिक है. [मुस्लिम; रावी उमर बिन अत्ताब रही, रिवायत के अेक हिस्से का जुलासा]

## ◆ अमल की तौफ़िक



अल्लाह के यह ये बात तैय है की ईन्सान अपने किन आमाल की वजह से दोज़्ब का हक़दार होगा और किन आमाल की वजह से जन्नत को जायेगा अल्लाह ने इस तकदीर को बडी तफ़्सील से क़ुरान मे बयान किया है और रसूलुल्लाह ﷺ ने भी अच्छी तरह से साफ़ कर दिया है अब ये ईन्सान का अपना काम है की वो जहन्नम की रह पर चलना पसन्द करता है या जन्नत की राह पर, दोनो मे से अेक को अपनाना ये उसकी जिम्मेदारी है और उसकी जिम्मेदारी इसलिये है की अल्लाह ने उसको ईरादा की आजादी दी है और रास्ते को चुनने मे आजाद छोड दिया है यही आजादी उसको सजा दिलावायेगी और यही आजादी की वजह से जन्नत पायेगा, लेकिन बहुत से कम-अकल लोग अपनी जिम्मेदारी को अल्लाह के सीर डाल देते है, और अपने आपको मजबूर समजते है. [बुआरी मुस्लीम; रावी अली रही, रिवायत का झुलासा]

## ❖ तय की हुपी तकदीर



अबू जुजामा अपने बाप से रिवायत करते हैं कि उन्होंने ने कहा, मैंने रसूलुल्लाह ﷺ से पूछा कि यह दुआ तावीज जिसे हम अपनी बीमारियों के सिलसिले में करते हैं और यह दवाये जो हम अपनी बीमारी को दूर करने के लिये इस्तेमाल करते हैं, और दुओं और मुसीबतों से बचने के लिये जो उपाय हम करते हैं, क्या यह अल्लाह की तकदीर को टाल सकती है? आप ने فرमाया यह सब चीजें भी तो अल्लाह की तकदीर में से हैं। हुजूर के जवाब का जुलासा यह है कि जिस अल्लाह ने यह बीमारी हमारे लिये लिखी उसी अल्लाह ने यह भी तैय किया कि इला दवा से और इला तदबीर से दूर की जा सकती है, अल्लाह बीमारी का पैदा करने वाला भी है और उस को दूर करने वाली दवा का भी, सब कुछ उसके तेय किये हुये कायदे कानून के मुताबिक है। [तिर्माजु; रावी अबू जुजामा, रिवायत का जुलासा]

## ❖ नफ़ा नुक्सान का मालिक कौन?

इबने अब्बास रदी, फ़रमाते हैं कि अेक दिन जबकि मैं आप ﷺ

કે પીછે સવારી પર બૈઠા થા આપ ને ફરમાયા,  
ઐ લડકે મે તુઝે કુછ બાતે બતાતા હુ (ધ્યાન સે  
સુન) દેખ તૂ અલ્લાહ કો યાદ રખ તો અલ્લાહ  
તુઝે યાદ રખેગા તૂ અલ્લાહ કો યાદ રખ તો



અલ્લાહ કો અપને સામને પાચેગા, જબ માંગે તો અલ્લાહ સે  
માંગ, જબ તૂ કિસી મુશ્કિલ મે મદદ યાહે તો અલ્લાહ સે મદદ  
માંગ, અલ્લાહ કો અપના મદદ કરને વાલા બના, ઔર ઈસ  
બાત કા યકીન કર કિ લોગ જમા હોકર એક સાથ તુઝે કોઈ  
નફા પહુચાના યાહે તો વહ તુઝે નફા નહીં પહુચા સકતે, સિવાયે  
ઉસકે જો અલ્લાહ ને તેરે લિયે લિખ દિયા હૈ (યાની કિસી કે  
પાસ દેને કો કુછ હૈ હી નહીં કિ દેગા, સબ કુછ તો અલ્લાહ કા  
હૈ, વહ જિતના દેને કા કિસી કે હક મે ફૈસલા કરતા હૈ ઉતના હી  
મિલતા હૈ યાહે જિસ ઝરિયે સે મિલે) ઔર અગર લોગ ઈકટ્ટા  
હો કર તુઝે કોઈ નુકસાન પહુચાના યાહે તો વહ કુછ ભી  
નુકસાન નહીં પહુચા સકતે, સિવાયે ઉસકે જો અલ્લાહ ને તેરી  
કિસ્મત મે લિખ દિયા હૈ. (તો ફિર અલ્લાહ હી કો અપના  
અકેલા સહારા બનાના યાહિયે). [મિશ્કાત; ઈબને અબ્બાસ રહી, રિવાયત કા

ખુલાસા]

## ◆ अगर और मगर का चक्कर



अेक तो वो मोमीन है हो जिस्मानी और  
झिकरी कुव्वत ज्यादा रखता हो तो जहीर है  
जब वो अपनी सारी कुव्वत अल्लाह की राह  
में भर्य करेगा तो दीन का काम उसके हाथों ज्यादा होगा उस  
राप्स के मुकाबले में जो कमजोर है जिस की सेहत बराब है,  
या झिकरी लिहाज से उंचा नही तो अल्लाह की राह में वो  
भी अपनी कुव्वत को लगायेगा मगर उतना काम तो नही  
कर सकता जितना पेहला आदमी करता है, इसलिये उसे  
दुसरे के मुकाबले में इनाम ज्यादा मिलना ही चाहिये, हा  
दोनो चुकी अेक ही राह यानी अल्लाह की राह के मुसाझिर  
है इसलिये इस कमजोर मोमीन को थोडा काम करने की  
वजह से इनाम से मेह्रूम ना किया जायेगा, असल में ताकत  
रखने वाले मोमीन को ये बताना मकसद है की अपने ताकत  
की कदर करो, उसके जरिये जितना आगे बढ़ सकते हो बढ़ो  
कमजोरी आ जाने के बाद आदमी करना भी चाहे तो नही  
कर पाता, मोमीन अपनी जहेन और उपाय वा कुव्वत को

सहारा नहीं बनाता बल्की उसपर जब  
मुसीबत आती है तो उसका जेहन यू  
सोचता है की ये मुसीबत मेरे रब की तरफ से  
आई है, ये तो मेरे सुधार के कोर्स का अंश  
हिस्सा है और इस तरह ये मुसीबत उसके लोसे को  
बढाने का जरिया बन जाती है। [मिशकात; रावी अबू हुसैना रही, रिवायत का



पुलासा]

आलाम अै रोजगार को आसान बना दिया,  
जो गम हुंआ उसे गम अै जाना बना दिया.